

# संस्कृत वर्णमाला (Sanskrit Alphabet)

## वर्ण (Letter)

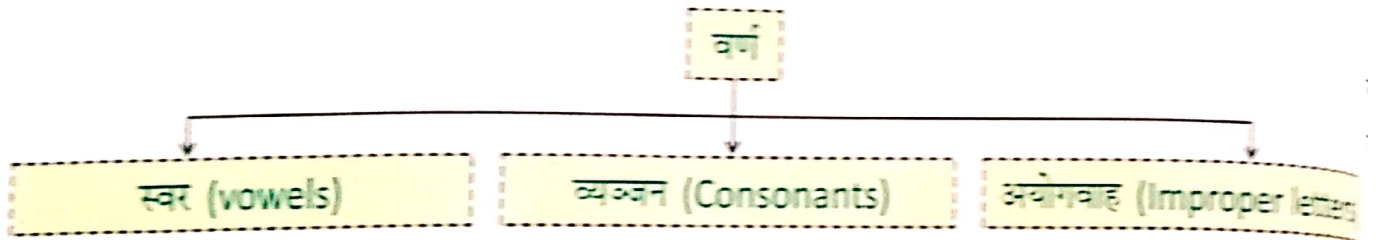
भाषा की वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े न किए जा सकें, वर्ण कहलाती है। जैसे— अ, इ, इ, ह आदि।

## वर्णमाला (Alphabet)

वर्णों या अक्षरों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

## वर्णों के प्रकार (Kinds of Letter)

वर्ण तीन प्रकार के होते हैं।



- स्वर (Vowels)**— वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, स्वर कहलाते हैं। परन्तु संस्कृत भाषा में स्वरों की संख्या तेरह (13) होती है।

|   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | आ | इ | ई | उ | ऊ | ऋ | ॠ |
|   |   | ए | ऐ | ओ | औ |   |   |

- व्यञ्जन (Consonants)**— वे वर्ण जिनके उच्चारण में स्वर (vowel) की सहायता लेनी पड़ती है, व्यञ्जन कहलाते हैं।

सभी व्यञ्जन में स्वर 'अ' लगा रहता है, यदि व्यञ्जन से स्वर 'अ' हटा दिया जाए तो व्यञ्जन के नीचे तिरछी रेखा ( ) लगा दी जाती है। इस तिरछी रेखा को 'हलन्त' कहते हैं। व्यञ्जन की संख्या तीस (33) होती है। ये तीन प्रकार के होते हैं— स्पर्श, अन्तःस्थ, ऊष्म।

- (क) स्पर्श व्यञ्जन (Mutes Consonants)**— इनकी संख्या पच्चीस (25) है। ये पाँच वर्णों में विभाजित हैं।

|          |    |    |    |    |    |
|----------|----|----|----|----|----|
| 'क' वर्ग | क् | ख् | ग् | घ् | ङ् |
| 'च' वर्ग | च् | छ् | ज् | झ् | ञ् |
| 'ट' वर्ग | ट् | ठ् | ड् | ढ् | ण् |
| 'त' वर्ग | त् | थ् | द् | ध् | न् |
| 'प' वर्ग | प् | फ् | ब् | भ् | म् |

(ख) अन्तःस्थ व्यञ्जन (Semi vowels)— इनकी संख्या चार (4) है।

य्, र्, ल्, व्

(ग) ऊष्म व्यञ्जन (Sibilants)— इनकी संख्या भी चार (4) है।

श्, ष्, स्, ह्

3. अयोगवाह (Improper Letters)— वे वर्ण जो न तो स्वर हैं और न ही व्यञ्जन, अयोगवाह कहलाते हैं।

(क) अनुस्वार (Nasal) (ँ)— जैसे हंस, संस्कृत, संस्कार, वंशज, इत्यादि।

(ख) विसर्ग (Visarga) (ः)— जैसे प्रातः, बालकः, छात्रः, वृक्षः इत्यादि।

### संयुक्त व्यञ्जन (Conjunct Consonants)

दो व्यञ्जन वर्णों के मेल से बनने वाले व्यञ्जन, संयुक्त व्यञ्जन कहलाते हैं।

जैसे—  
 क् + ष् + अ = क्ष  
 त् + र् + अ = त्र  
 ज् + ज् + अ = ज्ञ  
 श् + र् + अ = श्र

स्वर मात्रा का ज्ञान— 'अ' स्वर को छोड़कर प्रत्येक स्वर की मात्रा होती है।

| व्यञ्जन | स्वर | मात्रा | स्वर युक्त व्यञ्जन |
|---------|------|--------|--------------------|
| क्      | अ    | -      | क                  |
| क्      | आ    | ।      | का                 |
| क्      | इ    | ि      | कि                 |
| क्      | ई    | ी      | की                 |
| क्      | उ    | ु      | कु                 |
| क्      | ऊ    | ू      | कू                 |
| क्      | ऋ    | ॄ      | कृ                 |
| क्      | ॠ    | ॡ      | कृ                 |

|   |   |   |    |
|---|---|---|----|
| क | ए | इ | के |
| क | ऐ | उ | कै |
| क | ओ | ऋ | को |
| क | औ | ॠ | कौ |

'क' एक स्वतंत्र ध्वनि है, इसकी मात्रा नहीं लगाई जाती है।

## वर्ण वियोजन/वर्ण विच्छेद (Disjoining of Letter)

व्यञ्जनों तथा स्वरों को अलग-अलग करना ही वर्ण वियोजन कहलाता है।

| शब्द     | वर्ण-विच्छेद                      |
|----------|-----------------------------------|
| कमलम्    | क + अ + म् + अ + ल् + अ + म्      |
| बालकः    | ब + आ + ल् + अ + क् + अः          |
| पुस्तकम् | प + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् |
| नीरजः    | न् + ई + र् + अ + ज् + अः         |
| भाषा     | भ + आ + ष + आ                     |
| आश्रमः   | आ + श् + र् + अ + म् + अः         |
| कक्षा    | क् + अ + क् + ष + आ               |
| पत्रिका  | प + अ + त् + र् + इ + क् + आ      |
| ज्ञान    | ज् + ज् + आ + न् + अ              |

## वर्ण वियोजन/वर्ण संयोग (Arranging of Letter)

वर्णों को जोड़कर सार्थक शब्द निर्माण वर्ण-संयोगन कहलाता है।

|  |              |
|--|--------------|
| ब + आ + ल् + इ + क् + आ                              | = बालिका     |
| प + आ + ट् + अ + श् + आ + ल् + आ                     | = पाठशाला    |
| म् + इ + त् + र् + अ + म्                            | = मित्रम्    |
| स् + ऐ + न् + इ + क् + अः                            | = सैनिकः     |
| प + अ + र् + इ + श् + र् + अ + म् + अः               | = परिश्रमः   |
| श + इ + श् + उः                                      | = शिशुः      |
| द् + ऊ + र् + अ + द् + अ + र् + श् + अ + न् + अ + म् | = दूरदर्शनम् |
| ग् + ऋ + ह + अ + म्                                  | = गृहम्      |

## स्मरणीयम् (Memorable)

- वर्ण = भाषा की छोटी से छोटी ध्वनि।  
वर्णमाला = वर्णों का क्रमबद्ध समूह।  
स्वर = बिना किसी वर्ण की सहायता के उच्चारिता/मात्रा = 13  
व्यञ्जन = स्वर की सहायता से उच्चारिता व्यञ्जन के तीन प्रकार – स्पर्श, अंतःस्थ ऊष्म।

## अभ्यास कार्यम् (Exercise)

### 1. एकपदेन उत्तरत ( एक पद में उत्तर दीजिए ) (Answer in one word)

(क) स्वराः कति सन्ति?

(ख) एकस्मिन् वर्गे कति वर्णाः भवन्ति?

(ग) ऊष्म व्यञ्जनानां संख्या कति सन्ति?

### 2. उचितपदानि चित्वा रिक्त स्थानानि पूर्यत ( उचित पद छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए )। (Fill in the blanks with right options)

(क) कवर्गः वर्णाः - क् ख \_\_\_\_\_ घ् ङ्।

(ग् / च्)

(ख) ऊष्माणाः वर्णाः - श् ष् स् \_\_\_\_\_ सन्ति।

(ह् / ध्)

(ग) स्वराः \_\_\_\_\_ सन्ति।

(एकादश / त्रयोदश)

(घ) स्पर्श व्यञ्जनानां संख्या \_\_\_\_\_ सन्ति।

(पञ्चविंशति / विंशति)

(ङ) अन्तःस्थाः वर्णाः य् \_\_\_\_\_ ल् व्।

(प् / र्)

(च) 'लृ' \_\_\_\_\_ अस्ति।

(व्यञ्जनः / स्वरः)

### 3. स्वरान् व्यञ्जनानि च पृथक् कुरुत ( स्वर व्यञ्जन को अलग-अलग कीजिए )। (Separate the vowels and consonants)

अ, इ, क्, उ, ज्, औ, ख, लृ, द, घ, ऋ,  
रु, ई, ष, ह, ए, ओ, फ, न, आ

स्वराः - \_\_\_\_\_

व्यञ्जनानि - \_\_\_\_\_

4. परस्परं मेलनं कुरुत ( परस्पर मिलान कीजिए ) (Match the following)

| (क)           | (ख) |
|---------------|-----|
| (i) यू + ओ    | पौ  |
| (ii) प् + औ   | ने  |
| (iii) न् + ए  | लृ  |
| (iv) न् + ऐ   | क   |
| (v) क् + अ    | कु  |
| (vi) क् + उ   | लृ  |
| (vii) ल् + ऋ  | यो  |
| (viii) ल् + ॠ | नै  |

5. वर्णवियोजनं कुरुत ( वर्ण-वियोजन कीजिए ) (Separate the letters)

- (क) ज्ञानम्  
(ख) परिश्रमः  
(ग) परीक्षा  
(घ) अध्यापकः  
(ङ) छात्रा  
(च) अग्रजः

6. वर्णसंयोजनं कुरुत ( वर्ण संयोजन कीजिए ) (Join the letters)

- (क) व् + आ + न् + अ + र + अः  
(ख) ल् + ए + ख् + अ + न् + ई  
(ग) श् + अ + श् + अ + क् + अः  
(घ) अ + श् + र् + उः  
(ङ) उ + द् + य् + आ + न् + अ + म्  
(च) श् + इ + क् + ष् + आ

## क्रियाकलाप (Activity)

- अपने दस मित्रों के नाम का वर्ण वियोजन (वर्ण-विच्छेद) कीजिए।
- संयुक्त वर्ण के प्रयोग से दस शब्द लिखिए।